‘ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राईव’ के तृतीय चरण का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

- 2 मार्च, 2022 को **राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल** की अध्यक्ष वीनू गुप्ता ने मंडल के मुख्यालय से **‘ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राईव**’ के **तृतीय चरण** का शुभारंभ करते हुए ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राईव हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अभियान में **अजमेर, पाली, बीकानेर, चूरू, झुंझूनूं व सीकर** के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों एवं रिहायशी कॉलोनियों तथा रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन, शॉपिंग मॉल व अन्य वाणिज्यिक संस्थानों हेतु **‘ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राईव’** का आयोजन किया जाएगा।
- 2 से 15 मार्च, 2022 तक चलने वाले इस ड्राईव में राज्य में ई-वेस्ट के अधिकृत डिस्मेंटलर अथवा रिसाईक्लर्स द्वारा औद्योगिक इकाईयों से ई-वेस्ट एकत्रित किया जाएगा तथा उन्हें इस हेतु उचित प्रोत्साहन राशि व प्रमाण-पत्र भी दिया जाएगा।
- इस ड्राईव की सतत् निगरानी राज्य मंडल के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के स्तर पर की जाएगी।
- रिहायशी क्षेत्रों और रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन एवं अन्य वाणिज्यिक संस्थानों से गोदरेज एप्लाईसेंस द्वारा चलाई जाने वाली ‘मोबाइल वैन’ के माध्यम से ई-वेस्ट एकत्रित किया जाएगा। मोबाईल वैन द्वारा ई-वेस्ट के संबंध में पोस्टरों तथा बैनरों के माध्यम से जागरूकता भी लाई जाएगी।
- इस अवसर पर वीनू गुप्ता ने बताया कि राज्य की वर्ष 2022-23 की बजट घोषणाओं में सरकार द्वारा ‘ई-वेस्ट पॉलिसी’ बनाने तथा ‘ई-वेस्ट हेतु रिसाईक्लिंग पार्क’ विकसित करने की घोषणा की गई है।
- पूर्व में भी ई-वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण को सुनिश्चित करने व आमजन को जागरूक करने हेतु ‘ई-वेस्ट कलेक्शन ड्राईव’ के दो चरण सफलतापूर्वक आयोजित किये जा चुके हैं। प्रथम चरण में जयपुर, कोटा एवं उदयपुर की औद्योगिक इकाईयों से 11 मीट्रिक टन ई-वेस्ट एकत्रित किया गया था।
- द्वितीय चरण में अलवर, भीलवाड़ा, भिवाड़ी एवं जोधपुर में रिहायशी तथा औद्योगिक क्षेत्रों से मोबाईल वैन चलाकर 66 मीट्रिक टन ई-वेस्ट एकत्रित किया गया। इस चरण में उपभोक्ताओं को ई-वेस्ट के बदले में लगभग 20 लाख रुपए की राशि उचित मूल्य के रूप में प्रदान की गई।
- ई-वेस्ट के प्रतिवर्ष उत्पन्न होने के सही आंकड़े उपलब्ध कराने हेतु मंडल द्वारा **एन्वायरनमेंट प्रोटेक्शन ट्रेनिंग रिसर्च इंसटीट्यूट (ई.पी.टी.आर.आई.), हैदराबाद** के साथ एग्रीमेंट किया गया है। यह संस्थान राज्य के पाँच शहरों में ई-वेस्ट इन्वेन्टराईजेशन हेतु स्टडी कर राज्य में प्रतिवर्ष उत्पन्न ई-वेस्ट की मात्रा का आकलन करेगा। इसी प्रकार प्लास्टिक वेस्ट हेतु भी एक संस्थान द्वारा इन्वेन्टराईजेशन का कार्य किया जा रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/e-waste-collection-drive